5. लिंग

लिंग का शाब्दिक अर्थ होता है– स्त्री-पुरुष सूचक चिह्न। सभी प्राणी या अप्राणीवाचक वस्तुओं का भी लिंग निश्चित होता है। हिंदी भाषा में लिंग का निर्धारण शब्द के अर्थ और रूप के आधार पर किया जाता है।

शिक्षण-संकेत

- छात्रों से लिंग की परिभाषा पूछें।
- छात्र लिंग शब्दों से भली-भाँति परिचित हो चुके हैं। अत: पृष्ठ 26 पर दिए वाक्यों में से स्त्री तथा पुरुष जाति के शब्द बताने को कहें।
- लिंग के भेद भी बताने को कहें।
- पृष्ठ 26-27 पर दिए लिंग की व्यवस्था और लिंग निर्णय के नियम पढ़ें और समझाएँ।
- समझाएँ, अप्राणीवाचक शब्दों का लिंग निर्धारण वाक्य प्रयोग द्वारा किया जाता है। वाक्य की क्रिया द्वारा निर्जीव वस्तुओं का लिंग पता चलता है।
- पुल्लिग और स्त्रीलिंग शब्दों की पहचान कैसे की जाती है समझाएँ। पाठ पृष्ठ 27-29 पर दिए शब्दों को पढ़वाएँ और एक-एक करके प्रत्येक नियम समझाएँ।
- सुनिश्चित करें कि प्रत्येक छात्र पाठ समझ रहे हैं।
- लिंग परिवर्तन संबंधी नियमों से परिचित करवाते हुए पृष्ठ 30-31 के शब्द पढ़वाएँ और समझाएँ।
- अभ्यास के मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें।